सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 47 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 19 मार्च, 2024

मूल्य ₹ 3/-

एक जादुई गुण है जो हम सब के अन्दर है, वो हमारी उर्जा बदल देता है और हमारे प्रति दूसरों की धारणा बदल देता है। उसे ईमानदारी कहते हैं।

–ब्रह्माकुमारी शिवानी

विराट ने जमकर बहाया पसीना... 7 | चुनावों में पेंच न फंसा दे चुनावी... 3 | जनता को सत्ता नहीं सौंपना चाहता... 2

पारस ने बढ़ाई बीजेपी की टेंशन

सीट न मिलने से नाराज पशुपति का मोदी मंत्रिमंडल से इस्तीफा

» दिल्ली से लेकर रांची तक सियासी उठा-पटक

» इंडिया गठबंधन ने फिर दिखाई एकजुटता

» विपक्ष ने मांगा मोदी सरकार से दस साल का हिसाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनावी रणभेरी बजने के बाद सियासी दल अपने-अपने खेमे को मजबूती देने के इरादे से अलग-अलग पार्टियों को अपने पाले में लाने की कोशिश में जुटें हैं पर जितना वह जोड़ने की कोशिश कर रहें है उतना ही लोग उनसे छिटक भी रहें हैं। ताजा मामला सत्ता में बैठी राजग गठबंधन के साथ जुड़ा है बिहार में एक ही सीट मिलने से नाराज केंद्रीय मंत्रिमंडल में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री का पद संभाल रहे पशुपति कुमार पारस ने मंगलवार को एनडीए से अपना गठबंधन खत्म कर लिया और इस्तीफा दे दिया। उधर उपेन्द्र कुशवाहा भी नाराज बताए जाते हैं।

वहीं महाराष्ट्र के मनसे नेता राज ठाकरे राजग में आने की तैयारी कर रहे है इसी के मद्देनजर उन्होंने बीजेपी के नेताओं से मुलाकात की। इन सबे बीच इंडिया गठबंधन एकबार फिर एकजुट होती दिख रही है। मुंबई रैली के बाद पूरा विपक्ष कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पक्ष में एकसाथ आने लगे हैं इसलिए हर मंच से उनकी तारीफ होने लगी है। वहीं पूरा विपक्ष अब बीजेपी व मोदी सरकार से दस साल का हिसाब भी मांग रहा है। आरएलजेपी प्रमुख लोकसभा चुनाव के लिए बिहार में सीट बंटवारे के मुद्दे पर उनकी पार्टी को उचित तरजीह नहीं देने के लिए भाजपा नेतृत्व से नाराज थे।

दिल्ली में राज ठाकरे और विनोद तावड़े की मुलाकात

महाराष्ट्र के नेता के राष्ट्रीय राजधानी में आगमन से अटकलें तेज हो गई हैं कि मनसे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के धड़े के साथ शिवसेना और अजित पवार के धड़े के साथ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के साथ गठबंधन कर सकती है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने घोषणा की कि उनकी पार्टी अपने चुनाव चिह्न पर लोकसभा चुनाव लड़ेगी। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) के मराठी वोट आधार में सेंध लगाने की कोशिश कर रहा है। बताया जा रहा है कि राज ठाकरे सोमवार रात दिल्ली पहुंचे हैं, जहां महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेन्द्र फड़णवीस, प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष चन्द्रशेखर बावनकुले भी मौजूद हैं। मनसे दो सीटों - दक्षिण मुंबई और शिरडी की मांग कर सकती है। इससे पहले बीजेपी महासचिव विनोद तावड़े राज से मिलने पहुंचे हैं। विनोद तावड़े और महाराष्ट्र राज ठाकरे के एक साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर जाने की संभावना है। मनसे को एनडीए में शामिल करने को लेकर शुरुआती चर्चा होने की संभावना है। इसी बीच इन सबके बीच एमएनएस नेता संदीप देशपांडे की प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई है। राज ठाकरे दिल्ली क्यों गए ये कुछ घंटों में साफ हो जाएगा, वो जो फैसला लेंगे वो राज्य के हित में होगा। राज ठाकरे हिंदुत्व और पार्टी की भलाई के लिए फैसला लेंगे।

मेरे साथ नाइंसाफी हुई : पशुपति पारस

पशुपति पारस ने अपना इस्तीफा देते हुए कहा कि मेरे साथ नाइंसाफी हुई है इसलिए मैंने इस्तीफा दिया है। बता दें कि मोदी मंत्रीमंडल में पशुपति पारस खाद्य प्रसंस्करण मंत्री थे। उन्होंने कहा, एनडीए अलायंस की घोषणा हो गई है और मैं पीएम मोदी का शुक्रगुजार हूं. लेकिन मेरे और मेरी पार्टी के साथ नाइंसाफी हुई है. इस वजह से मैंने मंत्री पद से इस्तीफा दिया है। बता दें, बिहार में बीजेपी 17, जेडीयू 16 और चिराग पासवान की पार्टी एलजेपी(आर) को 5 सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ेगी। वहीं जीतनराम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी को एक-एक सीट दी गई है लेकिन एनडीए में शामिल एलजेपी के पशुपति पारस गुट को एक भी सीट नहीं मिल। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) के प्रमुख पशुपति कुमार पारस ने शुक्रवार को कहा था कि वो हाजीपुर सीट से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। साथ ही उन्होंने ये भी कहा था कि उनकी पार्टी के अन्य सांसद उन सीटों से चुनाव लड़ेंगे, जहां से वो 2019 के लोकसभा चुनाव जीते थे।

बीजेपी सांसद जनता को दिखाएं अपना रिपोर्ट कार्ड : भारद्वाज

आम आदमी पार्टी (आप) ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से पूछा कि उसके सांसदों ने पिछले 10 वर्षों में राष्ट्रीय राजधानी के लिए क्या किया है। पार्टी ने उन्हें इस बारे में श्वेत पत्र जारी करने की चुनौती दी। दिल्ली की सात लोकसभा सीट के लिए भाजपा उम्मीदवारों ने चुनाव जीतने पर सोमवार को अपनी 100 दिन की प्राथमिकताएं गिनाईं, जिनमें स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाओं में सुधार की प्राथमिकता भी शामिल है। दिल्ली के कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा, पिछले 10 वर्षों में सांसद कहां थे जब दिल्ली में उनकी जरूरत थी? उन्हें दिल्ली वासियों के सामने एक श्वेत पत्र पेश करना चाहिए।

हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन ने दिया इस्तीफा

जामा से झामुमो विधायक व पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन ने झामुमो के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पार्टी के अध्यक्ष शिबू सोरेन को अपना इस्तीफा सौंपा है। उन्होंने अपने त्यागपत्र में उपेक्षा का आरोप लगाया है। अपने इस्तीफे में सीता ने लिखा है कि उनके पति दुर्गा सोरेन झारखंड आंदोलन के अग्रणी योद्धा रह चुके हैं, लेकिन उनके निधन के बाद से ही उनके परिवार को उपेक्षा का शिकार होना पड़ा है। उन्होंने पार्टी और परिवार के सदस्यों पर आरोप लगाते हुए कहा कि सबने उन्हें अलग-थलग कर दिया है।

सीएए पर सुप्रीम सुनवाई जारी

» कोर्ट 200 से ज्यादा याचिकाओं पर करेगा सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पिछले हफ्ते, वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष केरल स्थित इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) द्वारा दायर एक याचिका का उल्लेख करते हुए कहा कि विवादास्पद कानून को लागू करने का केंद्र का कदम संदिग्ध था क्योंकि लोकसभा चुनाव तेजी से नजदीक आ रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को केंद्र के विवादास्पद नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 (सीएए) से जुड़ी 200 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई करेगा।

याचिकाओं में सीएए और नागरिकता संशोधन नियम 2024 के कार्यान्वयन पर रोक लगाने की मांग की गई है। याचिकाओं की सुनवाई भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ द्वारा की जाएगी जिसमें न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा शामिल होंगे। कानून को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं ने कहा है कि सीएए धर्म के आधार पर मुसलमानों के खिलाफ भेदभाव करता है।

मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत बढ़ी

» छह अप्रैल को होगी अगली सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आप नेता और पूर्व मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को शराब घोटाला मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत को बढ़ा दिया है। अब अगली सुनवाई छह अप्रैल को होगी। सीबीआई ने अदालत के समक्ष तर्क रखा कि आबकारी नीति मामले में जल्द ही कुछ और हाईप्रोफाइल लोगों को गिरफ्तारी हो सकती है। जांच एजेंसी ने सोमवार को दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर विरोध जताते हुए अदालत के समक्ष तर्क रखा।

सीबीआई ने कहा, मामले में जांच चल रही है और आरोपी इसमें बाधा डाल सकते हैं। उच्चतम न्यायालय की ओर से उपचारात्मक जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद सिसोदिया अपनी जमानत याचिका पर जोर दे रहे हैं। विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल ने की दलीलें सुनने के बाद प्रवर्तन निदेशालय की ओर से दलीलें सुनने के लिए मामले की सुनवाई 22 मार्च तय की है।

भ्रामक विज्ञापनों पर बाबा रामदेव को सुप्रीम नोटिस

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को योग गुरु रामदेव को पतंजलि आयुर्वेद के भ्रामक विज्ञापनों पर दो सप्ताह के भीतर व्यक्तिगत रूप से पेश होने को कहा। पतंजलि आयुर्वेद के प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण को भी पेश होने के लिए कहा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को योग गुरु रामदेव को पतंजलि आयुर्वेद के भ्रामक विज्ञापनों पर दो सप्ताह के भीतर व्यक्तिगत रूप से पेश होने को कहा। पतंजलि आयुर्वेद के प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण को भी पेश होने के लिए कहा गया है। मंगलवार का फैसला सुप्रीम कोर्ट द्वारा पिछले महीने पतंजलि को दिए गए अवमानना नोटिस के बाद आया है, जो इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) द्वारा पतंजलि आयुर्वेद के कथित भ्रामक विज्ञापनों के प्रसार के खिलाफ याचिका दायर करने के बाद आया था।

के कविता ने ईडी के खिलाफ वाली याचिका वापस ली

दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में गिरफ्तार बीआरएस नेता के कविता ने सुप्रीम कोर्ट से अपनी याचिका वापस ले ली है. कविता की तरफ से कहा गया है कि अब वो गिरफ्तार हो चुकी हैं, लिहाजा ईडी समन को चुनौती देने वाली याचिका निष्प्रभावी हो गई है। इसी वजह से वह अपनी याचिका वापस लेना चाहती हैं, जिससे वह कानून में मौजूद उपायों को अपना सकें। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने भी के कविता को याचिका वापस लेने की इजाजत दे दी है।

भाजपा हटेगी, तभी नौकरी मिलेगी

» अखिलेश बोले- विपक्षी नेताओं को बदनाम करने के लिए हो रहा सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग

» सपा ने की मैनपुरी के अफसरों को हटाने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के दस वर्षों में जनता महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार से त्रस्त रही है। भाजपा ने देश में संगठित रूप से नए तरीके के भ्रष्टाचार का रास्ता बनाया। सरकारी एजेंसियों का प्रयोग विपक्षी दलों को बदनाम करने और भाजपा को मजबूत करने के लिए किया। अखिलेश ने कहा कि भाजपा ने लोकतंत्र को कमजोर किया। नौजवानों, किसानों और व्यापारियों का शोषण किया। इलेक्टोरल बॉन्ड के नाम पर देश भर में वसूली की।

भाजपा भ्रष्टाचार के नए तरीके से खुद मालामाल होती रही। चुनावों में धन-बल का दुरुपयोग किया, वहीं दूसरी तरफ देश का नौजवान व किसान बेरोजगारी और गरीबी से तंग आकर आत्महत्या करने के लिए मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने वादा करने के बाद किसानों को उनकी फसलों की एमएसपी का कानूनी अधिकार नहीं दिया। विभागों में लाखों पद खाली होने के बावजूद नौकरियों में भर्ती नहीं की। अखिलेश ने कहा कि भाजपा सत्ता से हटेगी, तभी नौजवानों को नौकरी मिलेगी। तभी किसानों की मांग पूरी होगी और व्यापारियों को राहत मिलेगी। वहीं समाजवादी पार्टी ने मैनपुरी में निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए डीएम, एसपी समेत कई अधिकारियों को हटाने की चुनाव आयोग से मांग की है। पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक चुनाव की दृष्टि से मैनपुरी के डीएम अविनाश कृष्ण, एडीएम रामजी मिश्रा, एसडीएम संध्या शर्मा, एसपी विनोद कुमार, सीओ करहल संतोष कुमार, इंस्पेक्टर करहल ललित भाटी, एसएसआई थाना किशनी मैनपुरी अंकित कुमार को तत्काल जिले से बाहर स्थानांतरित करने की मांग की है।

शिक्षक के परिजनों को पांच करोड़ दे सरकार

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुजफ्फरनगर में मृतक शिक्षकों के परिवारीजनों को 5 करोड़ रुपये का मुआवजा दिए जाने की मांग की है। उन्होंने एक्स के जरिये कहा कि भाजपा शासन का अहंकार धीरे-धीरे प्रशासन पर भी आने लगा है। पहले भी एक सिपाही ने लोगों की हत्या की थी और आज फिर फर्जी एनकाउंटर करवाने वाली भाजपा सरकार ने पुलिस व्यवस्था तक में कुछ लोगों को हिंसक बना दिया है।

मैनपुरी से डिंपल यादव बनीं सपा की प्रत्याशी

मैनपुरी से डिंपल यादव सपा की प्रत्याशी हैं। सपा ने मैनपुरी में तैनात इन अधिकारियों पर भाजपा एजेंट के रूप में काम करने का आरोप लगाया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी से शिकायत करने गए प्रतिनिधिमंडल में केके श्रीवास्तव, डॉ. हरिश्चंद्र सिंह और राधेश्याम सिंह ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने अपने ज्ञापन में भाजपा नेताओं के इशारे पर मैनपुरी में अतिरिक्त अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार प्रथम की नियुक्ति पर भी आपत्ति की है और उनके तत्काल स्थानांतरण की मांग की है। उन्होंने आयोग को बताया कि मैनपुरी में हमेशा एक ही अपर पुलिस अधीक्षक की तैनाती रही है, हालांकि इस बार लोकसभा चुनाव प्रभावित करने की नीयत से अतिरिक्त अपर पुलिस अधीक्षक की नियुक्ति की गई है।

माता लक्ष्मी पर विवादित टिप्पणी मामले में स्वामी प्रसाद पर एफआईआर दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य की मुश्किलें बढ़ गई है। लगातार विवादित बयान देकर सुर्खियों में रहने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ लखनऊ पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने सोशल मीडिया पर मां लक्ष्मी पर अभद्र टिप्पणी की थी। इस टिप्पणी को करने के बाद उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। बीते दिनों लखनऊ चौक निवासी रागिनी रस्तोगी ने स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ शिकार दर्ज कराई थी।

वहीं अब लखनऊ पुलिस ने स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ आईपीसी की धारा 153(ए), 505(2) और आईटी एक्ट 67 के तहत वजीरगंज थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया है। बता दें कि उत्तर प्रदेश में लखनऊ की एक विशेष अदालत ने देवी लक्ष्मी और अन्य हिंदू देवी-देवताओं पर कथित रूप से अभद्र टिप्पणी करने के लिए पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ शनिवार को प्राथमिकी दर्ज कर जांच करने का आदेश दिया था।

भ्रष्ट तरीके से उगे धनबल को जनहित से करेंगे दूर: मायावती

» बोलीं- चुनावी बॉण्ड पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला अहम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एव पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि रक्षा सौदों आदि में भ्रष्टाचार के बाद चर्चित गुप्त चुनावी बाण्ड से उगे धनबल द्वारा देश की राजनीति एवं चुनाव को भी जनहित व जनमत से दूर करने की प्रक्रिया के विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट का ताजा फैसला महत्वपूर्ण है। लेकिन संविधान व लोकतंत्र की रक्षा के लिए सतत प्रयास जरूरी है। एक्स पर जारी अपने बयान में उन्होंने कहा कि जहां सहारा, वहां इशारा', से बचने के लिए बसपा बड़े पूंजीपतियों व धन्नासेठों के धनबल से दूर है।

जिस कारण यूपी में चार बार बनी सरकार में जनहित, जनकल्याण तथा गरीबी व पिछड़ेपन को दूर करने के लिए ऐतिहासिक पहल किए, जबकि दूसरी पार्टियां अधिकतर स्वार्थ में ही लगी हैं। देश में अब लोकसभा के लिए हो रहे आमचुनाव में जन व देशहित में इन बातों का खास महत्व है। तभी बहुजन हितैषी सरकार देश में बनकर लोगों को जानलेवा महंगाई, बढ़ती गरीबी, बेरोजगारी व पिछड़ेपन के लाचार जीवन से मुक्ति मिल पाएगी, वरना गरीबों की गरीबी व अमीरों की अमीरी लगातार बढ़ती जाएगी।

जनता को सत्ता नहीं सौंपना चाहता प्रशासन

» विधानसभा चुनावों में देरी पर बीजेपी पर बरसे उमर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू कश्मीर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर प्रशासन पर केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनावों के संचालन में गड़बड़ी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश प्रशासन जनता को सत्ता सौंपना नहीं चाहता है। मौजूदा सरकार बेताज बादशाहों की तरह शासन करना जारी रखना चाहती है। उमर ने अनंतनाग-राजोरी संसदीय क्षेत्र के लिए पार्टी के चुनाव अभियान की शुरुआत के दौरान ये बातें कहीं। अब्दुल्ला ने कहा, हम लोकसभा चुनावों के साथ-साथ चुनाव भी चाहते थे। लेकिन, ऐसा नहीं हुआ। जम्मू-कश्मीर की मौजूदा सरकार ने इसमें झोल किया, क्योंकि वे लोगों को दोबारा सत्ता नहीं सौंपना चाहते।

वे बेताज बादशाहों की तरह शासन कर रहे हैं। इससे पहले यहां दक्षिण कश्मीर जिले के दमहाल हांजीपोरा में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए नेकां नेता ने कहा कि नौकरशाहों ने सुरक्षा स्थिति का हवाला देते हुए विधानसभा चुनाव कराने में बाधाएं डालीं। उमर ने कहा कि पहले भाजपा सरकार कहती है कि हालात सामान्य है, लेकिन विधानसभा चुनाव कराए जाने पर असुरक्षा का माहौल बन जाता है। अगर बंदूकों का खतरा नहीं है, तो आपको (सरकार) ज्यादा सुरक्षा तैनाती की जरूरत नहीं है और अगर जरूरत नहीं है, तो आपको चुनाव कराने चाहिए थे। वास्तविकता यह है कि वे खराब हो रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनाव आयोग को इस साल सुप्रीम कोर्ट की 30 सितंबर की समय सीमा से पहले विधानसभा चुनाव कराने होंगे, जो शीर्ष अदालत ने अनुच्छेद 370 को रद्द करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई के बाद अपना आदेश पारित करते समय दिया था। मुख्य चुनाव आयुक्त ने भी कहा है कि समय सीमा से पहले चुनाव होंगे।

सीएए मुसलमानों ही नहीं अन्य के लिए भी नुकसानदायक

सीएए पर एक सवाल के जवाब में, नेकां नेता ने कहा कि सीएए सिर्फ मुसलमानों के खिलाफ नहीं है, बल्कि कई अन्य अल्पसंख्यक भी हैं जिन्हें इसके दायरे से बाहर रखा गया है। उन्होंने कहा, यह भाजपा की पुरानी आदत है और वे अपना तरीका नहीं सुधारेंगे।

ईडी भाजपा की शाखा की तरह कर रही काम : के. कविता

» बोलीं- मेरे खिलाफ कोई सबूत नहीं सभी आरोप झूठे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीआरस नेता के. कविता ने कहा कि उसके और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के खिलाफ ईडी द्वारा लगाए गए आरोप झूठे और तुच्छ हैं। के. कविता ने आरोप लगाया कि ईडी भाजपा की राजनीतिक शाखा की तरह काम कर रही है। ईडी ने दावा किया था कि दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति में लाभ पाने के लिए बीआरएस नेता के. कविता और कुछ अन्य लोगों ने केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के साथ डील की गई। साथ ही 100 करोड़ रुपये का भुगतान किया था।

आम आदमी पार्टी ने अपने एक बयान में कहा, पहले भी कई मौकों पर ईडी ने इस तरह के बेहद झूठे और तुच्छ बयान जारी किए हैं। इससे पता चलता है कि एक निष्पक्ष जांच एजेंसी होने के बजाय, यह भाजपा की राजनीतिक शाखा की तरह काम कर रही है। आप के आरोप पर भाजपा की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी। आप ने कहा कि ईडी के आरोप हर दिन झूठ फैलाकर और मीडिया में सनसनी पैदा करके उसके संयोजक केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की छवि खराब करने का एक प्रयास है।

चुनावों में पैंच न फंसा दे चुनावी बॉण्ड

कांग्रेस-इंडिया गठबंधन ने शुरू किया अभियान

- उत्तर से दक्षिण तक चलेगा रैली का रेला
- सियासी दलों ने कसी चुनावी कमर
- नेताओं ने एक दूसरे पर शुरू किए वार
- चुनावी बॉण्ड से भाजपा को मिले 6,986.5 करोड़ रुपए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनावी बिगुल बज चुका है। सियासत की चौसर बिछना शुरू हो गई। सभी सियासी योद्धा अपने तीर-तरकशों को दुरुस्त करने में जुट गए हैं। सत्ता पर बैठी बीजेपी अपनी तीसरी पारी के लिए जनता को साधने के लिए रणनीति बनाने में जुट गई। वहीं विपक्ष में बैठे कांग्रेस व उनके सहयोगियों ने मोदी सरकार को इस बार सत्ता से बेदखल करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। रामंदिर, 370 व सीएए से होते हुए चुनावी बॉण्ड पर मुद्दों की लड़ाई देखी जा रही है। जहां विपक्ष हर मंच पर चुनावी बॉण्ड में हुए भ्रष्टाचार को उठाकर बीजेपी को घेरने की कोशिश कर रही है। तो भाजपा भी पलटवार में जुटी है। वह विपक्ष को शिव-शक्ति व राम में उलझाए रखना चाह रही है। जिस तरह का माहौल बन रहा है उससे तो ऐसा ही लग रही चुनावी बॉण्ड बीजेपी को चुनावों भर सोने तो नहीं देंगे। वहीं उत्तर भारत में राम के सहारे अधिक से अधिक सीटों पर कब्जा करने को तैयार बीजेपी दक्षिण में कर्नाटक में हार व तेलंगाना में जनाधार घटने से बेचैन है तभी पीएम मोदी बार-बार तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश व कर्नाट के बार-बार दौरे कर रहें है।

रद्द हो चुके चुनावी बॉण्ड के शीर्ष खरीदार फ्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेज ने इसके माध्यम से तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी द्रमुक को 509 करोड़ रुपए का दान दिया। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों से रविवार को यह जानकारी सामने आई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) द्वारा बताए गए 656.5 करोड़ रुपए के चुनावी बॉण्ड से प्राप्त कुल प्राप्तियों में फ्यूचर गेमिंग द्वारा दिया गया दान 77 प्रतिशत से अधिक है। इस कंपनी के मालिक, लॉटरी किंग सैंटियागो मार्टिन प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच के दायरे में हैं। अधिकांश राजनीतिक दलों ने दानदाताओं के नामों का खुलासा नहीं किया है इसलिए यह ज्ञात नहीं है कि फ्यूचर गेमिंग द्वारा खरीदे गए शेष 859 करोड़ रुपए के बॉण्ड के लाभार्थी कौन थे। यह खुलासा उच्चतम न्यायालय के आदेश पर निर्वाचन आयोग द्वारा सार्वजनिक किए गए कुल 520 मान्यता प्राप्त और गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से संबंधित आंकड़ों के विवरण का हिस्सा है। पिछले सप्ताह निर्वाचन आयोग द्वारा एक और आंकड़ा प्रकाशित किया गया, जो भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) द्वारा प्रस्तुत की गई जानकारी पर आधारित था। एसबीआई चुनावी बॉण्ड बेचने और भुनाने के लिए अधिकृत एकमात्र बैंक है। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों में राजनीतिक दलों द्वारा किए गए खुलासों की स्कैन की गई प्रतियां शामिल हैं। यह प्रतियां सैकड़ों पृष्ठों में हैं।शुरुआत में एसबीआई द्वारा प्रस्तुत आंकड़ा 12 अप्रैल, 2019 से पिछले महीने शीर्ष अदालत द्वारा बॉण्ड को खत्म करने तक की अवधि से संबंधित था, वहीं नवीनतम खुलासा पिछले साल नवंबर में विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा 2018 की शुरुआत में योजना शुरू होने के बाद से उनके द्वारा भुनाए गए बॉण्ड पर दी गई घोषणाओं पर आधारित है और इसमें अंतिम कुछ किस्तों को शामिल नहीं किया गया है।

माकपा बॉण्ड के माध्यम से धन प्राप्त नहीं करेगी

माकपा ने घोषणा की थी कि वह चुनावी बॉण्ड के माध्यम से धन प्राप्त नहीं करेगी, जबकि एआईएमआईएम, इनेलोद और बसपा ने कोई रकम प्राप्त नहीं करने की जानकारी दी है। खुलासे के बाद, विपक्षी दलों ने चुनावी बॉण्ड को वैध भ्रष्टाचार करार दिया है, जबकि भाजपा ने कहा है कि बांड को खत्म करने से राजनीति में काले धन की वापसी हो सकती है।

ईडी ने जब्त की थी फ्यूचर गेमिंग की करोड़ों की संपत्ति

2 अप्रैल, 2022 की मीडिया रिपोर्ट्स में ईडी के हवाले से बताया गया कि फ्यूचर गेमिंग के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 409.92 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क हुई थी। ईडी ने पश्चिम बंगाल पुलिस की ओर से दर्ज एफआईआर के आधार पर यह कार्रवाई की थी। चुनाव आयोग की रिपोर्ट में बताया गया कि कंपनी ने 7 अप्रैल, 2022 को 100 करोड़ के इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदे। इसी तरह 2019 से 2024 तक कंपनी ने 1368 करोड़ रुपये ,पूर्वोत्तर और दक्षिण के 13 राज्यों में ब्रांच हैं। इसे सिक्किम और नागालैंड द्वारा आयोजित पेपर लॉटरी का एक मात्र वितरक बताया जाता है। कंपनी पर आरोप है किउसने अपने विभिन्न उप वितरकों के साथ मिलकर साजिथ रची और बिना बेचे लॉटरी टिकटों को अपने पास रखा, 2017 तक जीएसटी से पहले ऐसे बिना बिके टिकटों पर टॉप प्राइस का दावा किया, इससे कंपनी ने अवैध रूप से करीब 400 करोड़ का लाभ लिया।

बीजेपी से बहुत पीछे रह गए अन्य सियासी दन

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 2018 में चुनावी बॉण्ड योजना के लागू होने के बाद से इनके (बॉण्ड के) माध्यम से सबसे अधिक 6,986.5 करोड़ रुपए की धनराशि प्राप्त हुई। इसके बाद पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस (1,497 करोड़ रुपए), कांग्रेस (1,304 करोड़ रुपए) और भारत राष्ट्र समिति (1,222 करोड़ रुपए) का स्थान रहा। आंकड़ों के मुताबिक, ओडिशा की सत्तारूढ़ पार्टी बीजद को 944.5 करोड़ रुपए मिले। इसके बाद द्रमुक ने 656.5 करोड़ रुपए और आंध्र प्रदेश की सत्तारूढ़ पार्टी वाईएसआर कांग्रेस ने लगभग 442.8 करोड़ रुपए के बॉण्ड भुनाए। गैर सरकारी संगठन, एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) द्वारा संकलित एक पूर्व रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2018 से जनवरी 2024 तक 16,518 करोड़ रुपए के चुनावी बॉण्ड बेचे गए थे। दोनों आंकड़ों को मिलाकर अनुमान लगाया गया है कि योजना की पूरी अवधि के दौरान भाजपा को कुल 7,700 करोड़ रुपए की राशि प्राप्त हुई है। रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, जनता दल (सेक्युलर) को 89.75 करोड़ रुपए के बॉण्ड मिले, जिसमें चुनावी बॉण्ड की दूसरी सबसे बड़ी खरीदार मेघा इंजीनियरिंग से मिले 50 करोड़ रुपए भी शामिल हैं।

म्यांमार के मजदूर से बीफ कारोबारी तक से लिया चंदा

राजनीतिक दलों को करोड़ों रुपये का चंदा देने वालों में तीन कंपनियां ऐसी हैं, जो बीफ का कारोबार करती हैं। कंपनियों ने इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदकर करोड़ों रुपये डोनेट किए हैं। सबसे ज्यादा चंदा फ्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड ने दिया है। यह कंपनी लॉटरी फील्ड से जुड़ी है और इसके मालिक लॉटरी किंग सेंटियागो मार्टिन हैं। सेंटियागो मार्टिन आज अरबों की संपत्ति के मालिक हैं, लेकिन एक समय पर वह म्यांमार में मजदूरी करते थेसुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद चुनाव आयोग ने गुरुवार (14 मार्च) को इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़ी डिटेल अपनी वेबसाइट पर जारी की थी। इसमें पता चला कि कई कंपनियां ऐसी हैं, जिन्होंने ईडी, सीबीआई और आईटी की छापेमारी के बाद करोड़ों रुपये के इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदे। बीफ एक्सपोर्ट करने वाली अल्लान संस प्राइवेट लिमिटेड, फ्रीगोरीफिको अलाना प्राइवेट लिमिटेड और फ्यूचर गेमिंग भी उसी लिस्ट में शामिल हैं। इन कंपनियों के खिलाफ रेडमारी की कार्रवाई हो चुकी हैं और इन्होंने धड़ल्ले से इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदकर करोड़ों पॉलिटिकल पार्टियों को दान कर दिए।

फ्यूचर गेमिंग कंपनी ने खरीदे सबसे ज्यादा बॉण्ड

फ्यूचर गेमिंग कंपनी।,368 करोड़ रुपयों के साथ चुनावी बॉण्ड की सबसे बड़ी खरीदार थी, जिसमे से अधिक हिस्सा द्रमुक को गया। द्रमुक के अन्य प्रमुख दानदाताओं मे मेघा इंजीनियरिंग 105 करोड़ रुपए, इंडिया सीमेंट्स 14 करोड़ रुपए और सन टीवी 100 करोड़ रुपए शामिल है।तृणमूल कांग्रेस को चुनावी बॉण्ड के माध्यम से।,497 करोड़ रुपए मिले और वह भाजपा के बाद दूसरी सबसे बड़ी प्राप्तकर्ता है। द्रमुक दानदाताओं की पहचान का खुलासा करने वाले कुछ राजनीतिक दलों मे से एक है, जबकि भाजपा, कांग्रेस, तृणमूल और आप जैसे प्रमुख दलों ने निर्वाचन आयोग को इन विवरणों का खुलासा नही किया था। उ'चतम न्यायालय के निर्देश पर निर्वाचन आयोग ने चुनावी बॉण्ड से जुड़ी जानकारी अब सार्वजनिक कर दी है। तेदेपा ने 181.×5 करोड़ रुपए, शिवसेना ने 1×0.×8 करोड़ रुपए, राजद ने 56 करोड़ रुपए, समाजवादी पार्टी ने चुनावी बॉण्ड के जरिए 14.05 करोड़ रुपए प्राप्त किए। आंकड़ो मे कहा गया कि अकाली दल ने 7.26 करोड़ रुपए, अन्नाद्रमुक ने 6.05 करोड़ रुपए, नेशनल कॉन्फ्रेंस ने भारती ग्रुप से मिले 50 लाख रुपए के बॉण्ड भुनाए। सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट को भी 50 लाख रुपए के चुनावी बॉण्ड दान मे मिले। आम आदमी पार्टी ने हालांकि अपने दान का संचई आंकड़ा नही दिया, लेकिन एसबीआई के आंकड़ो से पता चला कि उसे 65.45 करोड़ रुपए मिले थे, जबकि निर्वाचन आयोग मे दी गई जानकारी के बाद उसे ×.55 करोड़ रुपए और मिलने का अनुमान है, जिससे कुल दान 69 करोड़ रुपए हो गया।

दक्षिण में बार-बार क्यों नतमस्तक हो रहे मोदी

दक्षिण भारत में अपने कई कार्यक्रमों से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि दक्षिण भारत में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के पक्ष में असाधारण उत्साह है, जहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आगामी लोकसभा चुनावों में अहम लाभ हासिल करने के लिए सभी प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री सोमवार को कर्नाटक के शिवमोगा और तेलंगाना के जगतियाल में रैलियों को संबोधित करेंगे जबकि तमिलनाडु के कोयंबटूर में एक रोड शो करेंगे। तेलंगाना हो, कर्नाटक हो या तमिलनाडु, राजग के पक्ष में असाधारण उत्साह है। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा संसदीय बोर्ड के सदस्य बीएस येदियुरप्पा के गृह क्षेत्र शिवमोगा में प्रधानमंत्री की रैली ऐसे समय में हो रही है जब पार्टी के असंतुष्ट नेता केएस ईश्वरप्पा ने शिमोगा सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ने की योजना की घोषणा की है, क्योंकि उनके बेटे को हावेरी सीट से पार्टी ने टिकट नहीं दिया है। भाजपा ने येदियुरप्पा के बड़े बेटे बी.वाई राघवेंद्र को शिमोगा से मैदान में उतारा है। मोदी की तेलंगाना में निजामाबाद लोकसभा क्षेत्र के जगतियाल में होने वाली रैली का असर पड़ोसी करीमनगर लोकसभा सीट पर भी पड़ सकता है। निवर्तमान लोकसभा में निजामाबाद और करीमनगर दोनों सीटों पर भाजपा का ही कब्जा है। भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनाव में तेलंगाना की 17 लोकसभा सीट में से चार पर जीत हासिल की थी। कोयंबटूर में मोदी का रोड शो मद्रास उच्च न्यायालय से मंजूरी मिलने के बाद हो रहा है। पुलिस ने 'सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील' इलाका होने और परीक्षाओं होने का कारण बताकर रोड शो की इजाजत देने से इनकार कर दिया था। जिले ने अतीत में भाजपा का समर्थन किया है। यहां से 1990 के दशक में सीपी राधाकृष्णन भाजपा के टिकट पर दो बार लोकसभा पहुंचे थे जो फिलहाल झारखंड के राज्यपाल हैं। वहीं, 2021 के तमिलनाडु विधानसभा पार्टी की महिला शाखा की राष्ट्रीय अध्यक्ष वी.श्रीनिवासन ने जीत दर्ज की थी। प्रधानमंत्री के तीन कार्यक्रम संकेत करते हैं कि भाजपा लोकसभा चुनाव में 400 सीटें जीतने के अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए दक्षिणी राज्यों में राजनीतिक तौर पर पैठ बनाने की कोशिश में है। पार्टी का लक्ष्य पांच दक्षिणी राज्यों आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना के अलावा केंद्र शासित पुडुचेरी और लक्षद्वीप में भी अच्छी बढ़त हासिल करना है। निवर्तमान सदन में, भाजपा का केरल और तमिलनाडु से कोई प्रतिनिधित्व नहीं है, जहां क्रमशः 20 और 39 लोकसभा सीट हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

चुनावी प्रक्रिया में आयोग निष्पक्षता से करे काम

चुनावों की तारीखों की घोषणा होते ही पूरे देश में आचार संहिंता लग गई है। अब लगभग पूरे तीन महीने देश का प्रशासनिक व्यवस्था चुनाव आयोग के तहत काम करेगा। इन सबके बीच चुनाव आयोग की ताकत तो बढ़ी है साथ ही उसकी जिम्मेदारी भी बढ़ गई है। पूरी चुनावी प्रक्रिया पर उसकी नजर रहेगी। साथ ही उसे यह भी ध्यान देना होगा कि उसके द्वारा की जा रही निगरानी सत्ता पक्ष व विपक्ष पर बराबरी की हो। ताकि जो चुनाव हों वह बिना किसी भेदभाव के हों। हालांकि विगत कुछ वर्षों से मुख्य चुनाव आयोग की कार्यशैली सवालों के घेरे में हैं। कहने में गुरेज नहीं होगा कि पर्दे की आड़ लेकर आयोग के भीतर तक राजनीतिक दखल अब होने लगा है। कुछ वर्षों में ऐसे तमाम बदलाव दिखे, जिसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता था। चुनावी चंदा और दानदाताओं की पहचान को छुपाना, सरकारों के मुताबिक चुनावी तारीखों का एलान होना, नियमानुसार सत्तापक्ष पर कार्रवाई न होना, जैसे अनगिनत राजनीतिक हादसे उभरकर सामने आए हैं।

चुनावों में कई जगहों पर नेताओं की गाड़ियों में ईवीएम मशीनों की बरामदगी का होना भी सवालों के घेरे में आया। ऐसे में भला कोई कैसे चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर विश्वास कर पाए? विपक्षी दल तो कई सालों से आयोग की स्वतंत्रता और विश्वसनीयता पर सवाल उठा ही रहे हैं, अब ये मुद्दा सड़कों से लेकर गांव-गलियों तक पहुंच गया है। चुनाव आयोग की व्यवस्थाएं क्यों लचर हो रही हैं, एसवाई कुरैशी ने कहा कि जनमानस के लिए कोर्ट अंतिम भरोसे के तौर पर देखी जाती हैं। जब प्रत्येक जगहों से उम्मीदें धूमिल हो जाती हैं, तो कोर्ट ही ऐसी जगहें होती हैं जहां से उम्मीदें जन्म लेती हैं। मैं हमेशा से इस पक्ष में रहा हूं कि सीजेआई की दखल महत्वपूर्ण समितियों में ज्यादा से ज्यादा होना चाहिए। भारतीय चुनाव आयोग की स्वायत्तता और निष्पक्षता पर सवाल कतई नहीं उठने चाहिए। अगर ऐसा होगा, तो मुकम्मल और साफ-सुथरे लोकतंत्र की कल्पनाएं नहीं की जा सकतीं? दखलंदाजी से बहुत कुछ गड़बड़ा जाएगा? मैं आपके सवाल से पूर्णत: इत्तेफाक रखता हूं कि आयोग की विश्वसनीयता पर विपक्ष ही नहीं, अब आम नागरिक भी सवाल उठाने लगे हैं। ये दुखद तस्वीर है, जो तेजी से उभर रही है। देखिए, संस्था कोई भी हो, उसकी कार्यशैली और उसका चरित्र तब कमजोर हो जाता है, जब उस पर अनावश्यक राजनीतिक प्रभाव डाल दिया जाता है। सामाजिक व्यवस्था का स्वच्छ निमार्ण तभी संभव है, जब संस्थाएं स्वतंत्र रहेंगी। सरकारों को इसके लिए प्रणालीगत सुरक्षा उपाय करने होंगे। भड़काऊ भाषणों की मॉनिटरिंग की जाए और नियमों के उल्लंघन पर उम्मीदवारों की उम्मीदवारी पर बैन का प्रावधान बने। ऐसे सख्त कदम उठाने ही होंगे।

“ कुछ वर्षों में ऐसे तमाम बदलाव दिखे, जिसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता था। चुनावी चंदा और दानदाताओं की पहचान को छुपाना, सरकारों के मुताबिक चुनावी तारीखों का एलान होना, नियमानुसार सत्तापक्ष पर कार्रवाई न होना, जैसे अनगिनत राजनीतिक हादसे उभरकर सामने आए हैं। चुनावों में कई जगहों पर नेताओं की गाड़ियों में ईवीएम मशीनों की बरामदगी का होना भी सवालों के घेरे में आया।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कोई कोर-कसर नहीं छोड़ना चाहती भाजपा

राजेश रामचंद्रन

चाहे यह चुनाव पूर्व व्यग्रता है या पूर्व नियोजित रणनीति, बीते मंगलवार को अचानक हरियाणा भाजपा प्रदेशाध्यक्ष नायब सैनी को मुख्यमंत्री बनाना, इसमें बिगड़ी स्थिति को संवारने की कोशिशों के तमाम चिन्ह साफ तौर पर दिखाई देते हैं। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के बरक्स भाजपा और आप विभिन्न राज्यों में लोगों का मिजाज भांपने को हफ्तावार सर्वे करवाती रहती हैं। ये अध्ययन उन्हें उम्मीदवारों के चयन, शिकायतें दूर करने व उनके प्रदर्शन पर निगाह रखने में सहायक होते हैं। सर्वे आधारित यह समस्या-निवारण व्यवस्था एक प्रभावकारी निर्णय-निर्माण प्रक्रिया बनाती है।

मनोहर लाल खट्टर का इस्तीफा और सैनी को पदोन्नति चुनाव-पूर्व बनी धारणा का प्रबंधन करने का नवीनतम उदाहरण है। ऐसे वक्त पर, जब चुनाव ऐन सिर पर हो, यह उपाय नौ साल और चार महीनों के राजकाज के बाद- जो किसी मुख्यमंत्री के लिए लंबा कार्यकाल है- पैदा हुई एंटी-इंकम्बेंसी का निदान करने के वास्ते किया गया है। लेकिन ठीक इसी वक्त यह बदलाव केवल इसी को करने भर की गर्ज से नहीं है। सैनी स्वयं मनोहर लाल खट्टर के चेले हैं और शपथ ग्रहण के बाद गुरु के पांव छूकर उन्होंने अपनी अगाध वफादारी दर्शाई भी है। यह एंटी-इंकम्बेंसी को स्वीकार करने के निशानों को मिटाने जैसा है। ज्यादा अहम यह कि कुरुक्षेत्र से 54 वर्षीय सांसद नायब सैनी को मुख्यमंत्री बनाने के पीछे पार्टी द्वारा सूबे पर अपनी राजनीतिक पकड़ कायम रखने के वास्ते सोशल इंजीनियरिंग साधने की आवश्यकता को स्वीकार करना है। जाहिर है, लोगों में सत्ताधारियों के खिलाफ हुए रोष या उदासीनता के चलते भाजपा इस बार हरियाणा में दस की दस लोकसभा सीटें जीतने से रही। लेकिन कर्नाटक के बरक्स, जहां भाजपा पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे थे, खट्टर सरकार पर इस किस्म के दूषण नहीं रहे। इसलिए नया, स्वच्छ, गैर-जाट चेहरा वह भी अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित, पेशकर करके भाजपा ने पार्टी की छवि सुधारने का प्रयास किया है।

भाजपा ने बागडोर नए व्यक्ति को थमाकर महज एंटी-इंकम्बेंसी का तोड़ ही नहीं ढूंढा, बल्कि नया चेहरा पेश करके सोशल इंजीनियरिंग पर एक साथ निशाना साधा है। हरियाणा की राजनीति सदैव जाट और गैर-जाट दबदबे के इर्द-गिर्द घूमती रही है। लगभग एक दशक तक हरियाणा में सरकार चलाने वाले

खट्टर गैर-जाट राजनीतिक नेतृत्व की तगड़ी दावेदारी का प्रतीक बने। हालांकि एक सैनी को मुख्यमंत्री बनाना इससे एक कदम आगे है, क्योंकि वे न केवल गैर-जाट हैं बल्कि अन्य पिछड़ा वर्ग से भी और उनके पूर्ववर्ती पंजाबी की सूबे की राजनीति पर सम्मानजनक पकड़ अभी भी कायम है। साफ संकेत है कि मोदी की बिसात में खट्टर का रुतबा क्या है। अब, जहां तक इसका राजनीतिक संदेश जाता है, भाजपा ने राहुल गांधी की जाति-गत राजनीति के प्रति नए उमड़े नव-प्रेम की काट के तौर पर अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित एक अन्य प्रतीक बना दिया है। हरियाणा से बृहद संदेश यह नहीं है कि संघ परिवार ओबीसी श्रेणी का एक अन्य मुख्यमंत्री देकर अपनी पिछड़ा वर्ग हितैषी छवि को चमकाना चाहता है लेकिन तथ्य यह है कि पार्टी किसी भी संभावना को हल्के में नहीं लेना चाहती। 370 सीटें जीतने की तमाम बातें महज एक खोखला जुमला है। हकीकत में, चुनाव अभियान के प्रत्येक मोड़ पर भाजपा अपनी रणनीति में तात्कालिक उपाय करने में लगी है। इसकी अपनी और व्यापक तौर पर बनी धारणा कि भाजपा केवल मोदी के करिश्मे पर चुनाव लड़ रही है, हकीकत नहीं है। हरियाणा में आखिरी क्षण पर मुख्यमंत्री बदलना एक बार फिर सिद्ध करता है कि भारतीय चुनाव व्यवस्था में, एकल व्यक्तित्व आधारित राष्ट्रपति-चुनाव प्रणाली कभी नहीं हो सकेगी। सभी 543 पर न सही, तथापि कम से कम कुछ सौ स्थानों पर, यह चुनाव संलग्न विषयक है- हरेक स्थानीय मुद्दों पर अलग लड़ा जाने वाला। इस तथ्य का सबसे बेहतरीन उदाहरण 1977 का चुनाव है, जब पीएम इंदिरा गांधी और अघोषित रूप से सर्व-शक्तिमान एवं समांतर शक्ति-केंद्र बना उनका बेटा चुनाव हार गए थे।

तब उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत पाई थी। उत्तर-दक्षिण के बीच यह परिणाम अंतर सदा से रहा है, बल्कि, एक राज्य और दूसरे के मध्य बिल्कुल अलग। आम चुनाव में लड़ाई मुख्यत: सूबों में होती है और आगे चुनावी-क्षेत्रवार, मान्यता के विपरीत सत्तासीनप्रधानमंत्री के नेतृत्व में देशव्यापी चुनाव प्रचार कभी भी ऐसा नहीं रहा कि इसकी धमक में शेष सब पार्श्व में जाएं। यह सोचना कि अमेठी और रायबरेली के मतदाताओं के पास बेंगलुरू या मैसूर के वोटरों से बेहतर लोकतांत्रिक समझ है, बेहतर जानकारी विकल्प या अधिक राजनीतिक अक्ल है, न तो यह 1997 में थी, न ही 2024 में होगी।

नैतिक दायित्वों की अनदेखी से उपजा संकट

शैली वालिया

गाजा में जिस तरह बेगुनाह नागरिकों का नरसंहार, बेइज्जती और उत्पीड़न देखने को मिल रहा है और उस पर शांति कायम रखवाने वाली एजेंसियां बेशर्मी से निष्क्रिय और मरणासन्न बनी हुई हैं, वह एक सभ्यतागत त्रासदी है। इस्राइली नेतृत्व निर्भीक होकर ढीठ बना ताकत की हनक में डूबा पड़ा है, और अंतर्राष्ट्रीय कानून की पूरी तरह अवमानना करने के बावजूद लाभ ले रहा है। बुजुर्ग औरतों को अपने युवा बेटों की लाशों पर पीड़ा से क्रंदन करते देख किसी की भी आंखों में आंसू आ जाएं, लेकिन सरकारें निर्विकार बनी हुई हैं। विशेषकर अमेरिका की, जिसने संयुक्त राष्ट्र में शांति स्थापना को लेकर पेश किए गए प्रस्ताव को पुन: ढिठाई से वीटो कर दिया है। इससे सत्य और नैतिकता युक्त अंतरात्मा की आवाज दबकर रह गई है। जैसा कि नाटककार हैरोल्ड पिंटर ने कहा है, 'सत्य की खोज कभी बंद नहीं हो सकती', खासकर ऐसे अंधे वक्त में, जब नाना किस्मों के झूठों ने हमें भरमा रखा है और व्हाइट हाउस एवं बड़े कॉर्पोरेट्स द्वारा पोषित आतंकवाद की करतूतें दुनियाभर में जारी हैं।

कफन में लिपटी अपनी पत्नी के शव पर पति को सिर रखकर रोते देखना हृदयविदारक है। एक मां रानिया अबू ने कुछ दिन पहले पति गंवा दिया था और अब चार महीने के जुड़वां बेटा-बेटी में बेटे को भी। अपने पुत्र की लाश पर हाथ मार बिलखती वह मां पीड़ा में उसकी देह को दफन के लिए ले जाने से रोकती हुई दुहाई देती है, 'मेरे जिगर का टुकड़ा चला गया, हम तो सो रहे थे न कि गोलियां चला रहे थे, न ही हम लड़ रहे थे। उसका कसूर क्या था? अब मैं कैसे जी पाऊंगी?' बेटे की दुधमुंही जुड़वां बहन, जो रिश्तेदारों की गोद में कपड़ों में लिपटी पड़ी है, वह भी सुबक रही है लेकिन उसे क्या पता कि मां पर क्या गुजरी है। जिस तरह उसका भाई और अन्य परिवार वाले चले गए उस तरह जाने कितने हजार अन्य भी पत्थर हो चुके हमारे मानवीय मूल्यों के जागने से पहले चले जाएंगे। बेगुनाह हमेशा भुगतते आए हैं।

ध्वस्त हुए अस्पताल के बाहर, खून से सनी पटड़ी पर पड़ी चौबीस लाशों का मंजर देखकर पत्थर दिल भी रो देगा। इनमें 11 से अधिक दुधमुंहे बच्चे हैं। बमबारी से तबाह हुए घरों की तस्वीरें, नागरिकों और सुरक्षाबलों के बीच खूनी झड़पों की दृश्यावली काफी न थी कि फलस्तीनियों के हालिया नरसंहार का मंजर झकझोर देता है, वे गए तो थे सामग्री पहुंचाने वाली गाड़ियों के सामने जिंदा रहने को भोजन के लिए हाथ फैलाने, पर झोली में पड़ी मौत। आखिर सामूहिक नरसंहार की परिभाषा में आने के लिए कितनों का होम होना जरूरी है ताकि युद्ध-अपराधियों को सजा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय को जगने के लिए काफी माना जाए। गाजा में चल रहा नरसंहार हमें वियतनाम युद्ध और हिरोशिमा पर गिराए परमाणु बम के काले दिनों की याद दिलाता है। क्या यही है सभ्यता जिसके लिए क्रमिक विकास कर हम यहां तक पहुंचे हैं? जिसमें द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद न्यूरम्बर्ग में युद्ध अपराधियों पर चलाए गए मुकदमों जैसा कुछ है? क्या हम इसको सभ्यता कह सकते हैं जब पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री मैंडलिन ऑलब्राइट द्वारा किसी को कहे यह जालिमाना शब्द सुनने को मिलें, 'हां, उनकी मौत का इतना ही मोल था।'

यह वह राजनेता नहीं है जिनके अंदर युद्ध पीड़ितों के प्रति सहानुभूति दिखाने की काबिलियत हो, यह तो वह नेता है जो बदलाखोरी से ग्रस्त होकर नरसंहार का आनंद लेता है। नैतिकता के तमाम बोध या दायित्व को दरकिनार कर, जिसे सभ्य देश युद्ध में भी कायम रखना चाहेंगे। 'कला, सत्य और राजनीति' नामक अपने लेखक में पिंटर यक्षप्रश्न पूछते हैं, 'हमारी नैतिक संवेदना को क्या हो गया है? क्या अब बाकी भी है? और हमारी अंतरात्मा को क्या हुआ? क्या सब मर चुके हैं?' गाजा के पिछले कुछ महीनों के हालात देखें तो यह साफ हो जाता है कि आपराधिक जुल्म देखकर भी अंतर्राष्ट्रीय समुदाय कमोबेश अनदेखा कर रहा है। अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस को अपना काम करने देने की शक्ति देने को कोई पक्ष राजी नहीं है, जो कि वस्तुत: युद्ध अपराध की श्रेणी में आता है। यानी वे कृत्य जो सैन्य फायदा उठाने में असंगत हों, वे जो सैन्य और नागरिक निशानों में भेद न करें या जो नागरिकों में जख्मियों और मौत की हानि को न्यूनतम रखने की सावधानी बरतने में असफल रहे।

इस युग में, जब सशस्त्र संघर्ष चहुंओर व्याप्त हैं, मुश्किलों के दर्दनाक स्वरूप की इससे ज्यादा झकझोरने वाली बानगी क्या होगी जब भयाक्रांत बच्चा मां से पूछे कि गोली लगकर मरने पर कैसा महसूस होता होगा और क्या खून बहने से रोकना संभव है। यह भूल जाना आसान है कि कैसे सैनिक गाहे-बगाहे या जानबूझकर बेगुनाह नागरिकों को रोजाना मार रहे हैं या अंगभंग करते रहते हैं। हालांकि, ऐसे सैन्य अभियानों का प्रचार 'सर्जिकल' स्ट्राइक बताकर न्यायोचित बताया जाता है। लेकिन जानबूझकर और निर्ममता से आम नागरिकों की मौत का आंकड़ा अलग दास्तान बयान करता है। यमन में, जहां पर अमेरिका की शहप्राप्त सऊदी अरब के हवाई हमलों में हजारों की संख्या में नागरिक मारे जा चुके हैं, एक स्कूल पर गिरे बम में किसी प्रकार बच निकली आठ वर्षीय बच्ची ने जिस आवेगपूर्ण ढंग से अपना रंज व्यक्त किया वह खूनी दांत किटकटाने वाले असंवेदनशीलों के लिए आंखें खोलने वाला है, 'मेरे पिता कहते हैं वे मेरे खिलौने खरीदेंगे और नया स्कूलबैग भी। पर अब मुझे स्कूलबैग से नफरत हो गई। मैं तो स्कूल बस के पास भी नहीं फटकना चाहती।

बुजुर्गों को खुश रखने के लिए खिलाएं ये पकवान

जैसे-जैसे उम्र बढ़ती जाती है, वैसे-वैसे हमारे शरीर में भी काफी परिवर्तन होते हैं। इन परिवर्तनों की वजह से शरीर में अलग तरह के पोषक तत्वों की जरूरत पड़ती है। खासतौर पर जब कोई बुजुर्ग हो जाता है, तो उनके खाने का ध्यान घर वालों को ही रखना पड़ता है। शायद ही कोई घर ऐसा होगा, जिसमें बुजुर्ग ना रहते हों। जिस प्रकार से जब घर में कोई बच्चा आता है, तो उसका ध्यान रखना पड़ता है, ठीक उसी प्रकार से घर के बुजुर्गों का भी काफी खास ध्यान रखना पड़ता है। उम्र बढ़ने के साथ दांत कमजोर होने लगते हैं, जिस वजह से बुजुर्गों को आप कुछ भी खाने को नहीं दे सकते। उन्हें वही चीजें खाने को दी जाती हैं, जिसे वो सही तरह से चबा लें। कई बार हेल्दी चीजें देने के चक्कर में हम उनके स्वाद के बारे में भूल जाते हैं।

टमाटर का सूप

बुजुर्गों को ऐसी चीजें काफी पसंद आती हैं, जिसे उन्हें चबाना ना पड़े। ऐसे में आप अपने परिवार के बुजुर्गों को टमाटर या मिक्स वेजिटेबल का सूप तैयार करके परोस सकते हैं। ध्यान रखें कि ये ज्यादा तीखा ना हो, वरना उन्हें पेट की समस्या हो सकती है। टमाटर का सूप वजन घटाने में सहायक होता है। दरअसल, टमाटर के सूप में फाइबर और पानी अधिक मात्रा में होता है। इसे पीने से भूख नहीं लगती और वजन कम करने में मदद मिलती है। सर्दियों में टमाटर का सूप पीने से आप अपनी हड्डियों को मजबूत बना सकते हैं। दरअसल, शरीर में लाइकोपीन की कमी होने से हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। टमाटर सूप में लाइकोपीन होता है, ऐसे में इसके सेवन से हड्डियों से जुड़ी समस्याएं दूर होती हैं। टमाटर सूप में विटामिन के और कैल्शियम भी होता है, जिससे हड्डियां मजबूत बनती हैं।

मूंग दाल का चीला

चीला खाने में काफी नरम और स्वादिष्ट होता है। ऐसे में मूंग दाल का चीला आप उन्हें बनाकर खिला सकते हैं। इसे उनकी पसंदीदा चटनी के साथ ही परोसें। ताकि उनका मन भी भर जाए। मूंग दाल विटामिन बी1 प्रदान करता है। इससे आपके शरीर को एनर्जी मिलती है। मूंग दाल पनीर चीला खाने से आपको पूरा दिन एनर्जी मिलती है। जिससे आपको थकान और कमजोरी महसूस नहीं होती है। इस चीला के नियमित सेवन से आपके शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम होती है। जिससे नसों में कोलेस्ट्रॉल के द्वारा प्लाक बनने की संभावना कम होती है। इससे नसें साफ रहती है और ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है।

दलिया

दलिया एक ऐसी चीज है, जिसे आप नाश्ते और खाने दोनों समय खा सकते हैं। ऐसे में आप चाहें तो नाश्ते में अपने घर के बुजुर्गों के लिए दूध और दलिया तैयार कर सकते हैं। अगर खाने में उनका दलिया खाने का मन है तो आप उन्हें नमकीन दलिया बनाकर खिला सकते हैं। ये शरीर में पाचन प्रक्रिया को उत्तेजित करने और कुछ प्रकार की बीमारियों को रोकने के लिए शरीर में आहार फाइबर का उच्च स्तर होना बहुत जरूरी होता है। यह फाइबर आपके पेट में पोषक वृद्धि की क्षमता में सुधार कर सकता है। दलिया अतिरिक्त ओमेगा -6 फैटी एसिड को समाप्त करके और धमनियों में निर्माण के द्वारा कोलेस्ट्रॉल संतुलन में सुधार कर सकता है।

ढोकला

ये काफी मुलायम होता है और इसे बनाना भी काफी आसान होता है। ऐसे में आप अपने घर के बड़ों को हरी चटनी के साथ ढोकला परोस सकते हैं। वैसे ढ़ोकला का नाम सुनते ही मुंह में गुजराती स्वाद का मजा आने लगता है। गुजरात की यह पॉपुलर डिश अब देशभर में काफी फेमस हो चुकी है। खाने के शौकीन एक बार इसका स्वाद ले लें तो फिर इसे दोबारा खाने का मौका नहीं छोड़ते हैं। बच्चे भी इसे काफी पसंद करते हैं।

इडली

साउथ इंडियन खाना हर किसी को पसंद आता है। ऐसे में आप भी अपने घर के बुजुर्गों को स्वादिष्ट इडली बनाकर खिला सकते हैं। अगर उन्हें चटाकेदार खाना पसंद है, तो आप इसे फ्राई भी करके उन्हें परोस सकते हैं। इडली में सोडियम की बहुत कम मात्रा होती है इसलिए स्वस्थ शरीर के लिए काफी फायदेमंद होती है। अगर आप ब्लड प्रेशर की समस्या से परेशान है तो आप इडली के सेवन से इस समस्या से बच सकते हैं।

हंसना मना है

सास: जमाई राजा अगले जन्म में आप क्या बनोगे? जमाई: सासू मां मैं अगले जन्म में छिपकली बनूंगा। सास: छिपकली क्यूं? जमाई: क्योंकि मेरी बीवी छिपकली से बहुत डरती है।

पति- सुनो, तुमने मुझमें ऐसा क्या देखा था जो मुझसे शादी के लिए हां कर दी। पत्नी- मैंने बालकनी से आपको एक-दो बार बर्तन साफ करते हुए देखा था।

प्रेमिका: तुमको पता है कल मेरा बर्थडे है? मुझे क्या गिफ्ट दोगे? प्रेमी: जो तुम चाहो मेरी जान। प्रेमिका: रिंग? प्रेमी: ठीक है रिंग दूंगा पर उठाना मत, बैलेंस बहुत कम है।

दो पंड़ितों में लड़ाई हो रही थी, उन्हें लड़ते बहुत देर हो गयी, तीसरा पंड़ित: क्या हुआ, क्यों लड़ाई कर रहे हो? एक पंड़ित बोला, जब मैं लहसुन, प्याज नहीं खाता, तो इसने चिकन में डाला ही क्यों?

एक बार किसी ने पूछा की ये शादी कब होती है? जवाब ये था की जब आपका समय अनुकूल ना हो, राहु केतु और शनि की दशा खराब हो, आपका मंगल कमजोर हो, और भगवान ने भी आपकी मजे लेने की ठान ली हो। उस समय शादी हो जाती है!

कहानी | शेर और सियार

एक बार की बात है सुंदरवन नाम के जंगल में बलवान शेर रहा करता था। शेर रोज शिकार करने के लिए नदी के किनारे जाया करता था। एक दिन जब नदी के किनारे से शेर लौट रहा था, तो उसे रास्ते में सियार दिखाई दिया। शेर जैसे ही सियार के पास पहुंचा, सियार शेर के कदमों में लेट गया। शेर ने पूछा अरे भाई! तुम ये क्या कर रहे हो। सियार बोला, आप बहुत महान हैं, आप जंगल के राजा हैं, मुझे अपना सेवक बना लीजिए। मैं पूरी लगन और निष्ठा से आपकी सेवा करूंगा। इसके बदले में आपके शिकार में से जो कुछ भी बचेगा मैं वो खा लिया करूंगा। शेर ने सियार की बात मान ली और उसे अपना सेवक बना लिया। अब शेर जब भी शिकार करने जाता, तब सियार भी उसके साथ चलता था। इस तरह साथ समय बिताने से दोनों के बीच बहुत अच्छी दोस्ती हो गई। सियार, शेर के शिकार का बचा खुचा मांस खाकर बलवान होता जा रहा था। एक दिन सियार ने शेर से कहा, अब तो मैं भी तुम्हारे बराबर ही बलवान हो गया हूं, इसलिए मैं आज हाथी पर वार करूंगा। जब वो मर जाएगा, तो मैं हाथी का मांस खाऊंगा। मेरे से जो मांस बच जाएगा, वो तुम खा लेना। शेर को लगा कि सियार दोस्ती में ऐसा मजाक कर रहा है, लेकिन सियार को अपनी शक्ति पर कुछ ज्यादा ही घमंड हो चला था। सियार पेड़ पर चढ़कर बैठ गया और हाथी का इंतजार करने लगा। शेर को हाथी की ताकत का अंदाजा था, इसलिए उसने सियार को बहुत समझाया, लेकिन वो नहीं माना। तभी उस पेड़ के नीचे से एक हाथी गुजरने लगा। सियार हाथी पर हमला करने के लिए उस पर कूद पड़ा, लेकिन सियार सही जगह छलांग नहीं लगा पाया और हाथी के पैरों में जा गिरा। हाथी ने जैसे ही पैर बढ़ाया वैसे ही सियार उसके उसके पैर के नीचे कुचला गया। इस तरह सियार ने अपने दोस्त शेर की बात न मानकर बहुत बड़ी गलती की और अपने प्राण गंवा दिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। यात्रा मनोरंजक हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय में नए प्रयोग किए जा सकते हैं।

वृषभ

विवाद को बढ़ावा न दें। बेवजह कहासुनी हो सकती है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। थकान व कमजोरी रह सकते हैं। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

मिथुन

मित्रों का सहयोग करने का अवसर प्राप्त हो सकता है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा।

कर्क

आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों व संबंधियों से मुलाकात होगी। कारोबार में अनुकूलता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है।

सिंह

बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

कन्या

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा। कर्ज लेना पड़ सकता है।

तुला

यात्रा मनोनुकूल रहेगी। नया काम मिलेगा। नए अनुबंध होंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

वृश्चिक

कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन हो सकता है। योजना फलीभूत होगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं।

धनु

अध्यात्म में रुझान रहेगा। सत्संग का लाभ प्राप्त होगा। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें।

मकर

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। क्रोध व उतेजना पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि की आशंका बनती है, सावधानी आवश्यक है।

कुम्भ

कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

मीन

भूमि-भवन व मकान-दुकान इत्यादि की खरीद-फरोख्त मनोनुकूल लाभ देगी। बेरोजगारी दूर होगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। भाग्य का साथ मिलेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

चुलबुल पांडे के किरदार में फिर लौटेंगे सलमान खान

बॉलीवुड के भाईजान इन दिनों अपनी आगामी प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं, जिसमें उनकी आने वाले बहुचर्चित प्रोजेक्ट्स में दबंग 4 भी शामिल है। पिछले तीन फिल्मों में चुलबुल पांडे का चुलबुला अंदाज देख खुशी से झूम उठे दर्शक सलमान खान की दबंग फैंचाइजी के चौथे पार्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब हाल ही में, अरबाज खान ने फिल्म को लेकर एक बड़ी जानकारी भी साझा की है। सलमान खान के प्रशंसक दबंग के फेंचाइजी की चौथी किस्त का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। हाल ही में अफवाहें उड़ी थीं कि सलमान और उनके भाई अरबाज खान अगली दबंग फिल्म पर चर्चा करने के लिए जवान के निर्देशक एटली से मिले थे। दबंग 2 का निर्देशन करने वाले अरबाज ने हाल ही में इसके बारे में जानकारी दी। अरबाज खान ने बताया कि वह अपने जीवन में फिल्म निर्माता एटली से कभी नहीं मिले हैं। अरबाज ने भी दबंग 4 की पुष्टि की और कहा कि सलमान खान भी फिल्म करने के इच्छुक हैं, लेकिन सही समय आने पर यह फ्लोर पर जाएगी। अरबाज ने आगे कहा कि सलमान और वह इस समय अपने व्यक्तिगत प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। निर्देशन में अपनी वापसी के बारे में अरबाज ने कहा कि वह दबंग 4 का निर्देशन करना पसंद करेंगे, लेकिन अभी तक कुछ भी तय नहीं हुआ है। दबंग 4 के अलावा सलमान खान के पास शाहरुख खान के साथ टाइगर वर्सेस पठान है। हाल ही में, उन्होंने साजिद नाडियाडवाला के साथ एक नई फिल्म की भी घोषणा की, जिसका निर्देशन एआर मुरुगादॉस करेंगे। यह बड़े बजट का ड्रामा ईद 2025 के दौरान स्क्रीन पर आने के लिए पूरी तरह तैयार है। वहीं, सलमान खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो सलमान खान आखिरी बार टाइगर 3 में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके साथ कैटरीना कैफ और इमरान हाशमी अहम किरदार में नजर आए थे। यह फिल्म दिवाली के मौके पर 12 नवंबर 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। भारतीय बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने कुल 286 करोड़ की कमाई की।

लड़कियां भी कॉमेडी कर सकती हैं : कृति

कृति सेनन बॉलीवुड में किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। पिछले दिनों उनकी फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने में कामयाब रही। दर्शकों को इस फिल्म में कृति का अभिनय काफी पसंद आया था। अब अभिनेत्री की आगामी फिल्म क्रू रिलीज के लिए तैयार है। इस फिल्म में कृति, करीना कपूर खान और तब्बू के साथ नजर आने वाली हैं। हाल ही में कृति सेनन अपनी इस फिल्म के बारे में खुलकर बातें करती नजर आईं। कृति सेनन पहली बार क्रू में तब्बू और करीना कपूर के साथ काम कर रही हैं। पिछले दिनों एक साक्षात्कार के दौरान कृति से पूछा गया कि उन्हें इन अभिनेत्रियों के साथ काम करते हुए कैसा महसूस हुआ। इस सवाल के जवाब में कृति कहती हैं, हम आमतौर पर अभिनेताओं के साथ काम करते हैं। ऐसा बहुत कम होता है कि हम सिर्फ अभिनेत्रियों के साथ काम कर रहे हों। मेरे लिए क्रू में काम करना ताजगी से भरा अनुभव रहा है। तब्बू और करीना से काफी कुछ सीखने को मिला है। कृति सेनन की आने वाली फिल्म क्रू स्त्री प्रधान फिल्म है। कृति इस विषय में बात करती हुए बोलती हैं, लोगों को लगता है कि अभिनेत्रियां कॉमेडी नहीं कर सकती हैं, लेकिन यह सही नहीं है। क्रू में हमने कॉमेडी किया है और हमारी टाइमिंग जबर्दस्त है। दर्शक अक्सर सोचते हैं कि महिला प्रधान फिल्म किसी सीरियस मुद्दे पर ही बनती है, हमने इस फिल्म के जरिए इसी स्टीरियोटाइप को तोड़ने की कोशिश की है। कृति अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, हमने पुरुषों को कोसने के लिए इस फिल्म का निर्माण नहीं किया है। यह एक अलग विषय पर बनी हुई फिल्म है जो दर्शकों को गुदगुदाएगी और सोचने पर भी मजबूर करेगी। कृति सेनन, करीना कपूर और तब्बू जैसे स्टार्स से सजी यह फिल्म 29 मार्च 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म का निर्देशन राजेश ए कृष्णन ने किया है।

बॉलीवुड | मसाला

तमाम खुशियों का साक्षी है प्रतीक्षा: अमिताभ

बॉलीवुड में अमिताभ बच्चन की पहचान न सिर्फ एक दिग्गज अभिनेता की है, बल्कि लोग उन्हें एक बेहतरीन पिता और पति के रूप में भी जानते हैं। 18 मार्च को अमिताभ बच्चन ने अपनी लाडली बेटी श्वेता नंदा का 50वां जन्मदिन मनाया। इस मौके पर अमिताभ बच्चन ने अपने घर प्रतीक्षा की कुछ झलकियों को अपने फैंस के साथ साझा करते हुए बेटी श्वेता के लिए एक भावुक सा नोट भी लिखा है। सोशल मीडिया पर अमिताभ का यह पोस्ट काफी वायरल हो रहा है। अमिताभ बच्चन इन दिनों सोशल मीडिया पर एक्टिव होने के साथ-साथ अपने ब्लॉग पर भी अपनी जिंदगी से जुड़े अपडेट्स को अपने फैंस के साथ साझा करते रहते हैं। कल बेटी श्वेता के जन्मदिन के मौके पर अमिताभ बच्चन ने एक नोट साझा करते हुए लिखा, आपके प्यार और शुभकामनाओं के लिए शुक्रिया। आज का दिन बेहद उल्लास भरा दिन है। आज श्वेता अपने स्वर्णिम युग में प्रवेश कर रही हैं। बॉलीवुड के दिग्गज कलाकर अमिताभ बच्चन ने कल अपने घर प्रतीक्षा में अपनी बेटी श्वेता बच्चन का जन्मदिन मनाते दिखाई दिए। अमिताभ ने अपने ब्लॉग में आगे लिखा है, हम इस घर में दो साल की श्वेता को पहली बार लेकर आए थे और आज यह घर पोते-पोतियों से भरा हुआ है। प्रतीक्षा हमारी हर खुशी का साक्षी रहा है। अमिताभ बच्चन के लिए उनके परिवार से बढ़कर कुछ भी नहीं है। अभिनेता लगभग हर मौके पर परिवार की एकता और एकजुटता के बारे में बातें करते दिखाई देते हैं। अपने पोस्ट में अमिताभ लिखते हैं, खाने की मेज पर जब पूरा परिवार एक साथ मौजूद हो तब जीवन में स्वाद आ जाता है। अमिताभ बच्चन हर रविवार को अपने घर प्रतीक्षा के बाहर आकर अपने फैंस से जरूर मिलते हैं। कल भी अभिनेता अपने फैंस से मिलने के लिए बाहर आए। अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग से फैंस की भीड़ के साथ अपनी कई सुंदर तस्वीरों को भी साझा किया है।

अपने घर में बिताए दिनों को याद कर हुए भावुक

अजब-गजब | नौकरी छूटी तो महिला बनीं 'कैट बटलर'

अब हर साल कमा रही 2 करोड़

नौकरी छूट जाए, तो हर किसी के लिए काफी मुश्किल होती है। लेकिन 40 साल साल की सैंड्रा जेम्स ने आपदा को अवसर में बदल दिया। 2011 में जब उन्हें फाइनेंसियल सर्विस मैनेजर के पद से हटाया दिया गया, तो उन्हें लगा कि सबकुछ बर्बाद हो गया। क्योंकि उस वक्त सैंड्रा को 50 लाख रुपये का पैकेज मिल रहा था। मगर कुछ ही वक्त में वह फिर संभल गई और निराशा को भूलकर आगे निकल गई। आज वह हर साल 2 करोड़ की कमाई कर रही है। कहती हैं कि हमने नौकरी में 13 साल बर्बाद कर दिए। द सन की रिपोर्ट के मुताबिक, इंग्लैंड की रहने वाली सैंड्रा जेम्स अभी 53 साल की है। वे 22 साल की उम्र से नौकरी कर रही थी। काफी खुश थी। काफी कुछ कर भी चुकी थी। उम्र तेजी से कट रही थी। इसी बीच 2011 में रिसेसन की वजह से उनकी नौकरी चली गई। सैंड्रा ने कहा, मुझे लगा कि यह बहुत मुश्किल समय है। लेकिन कुछ ही दिनों बाद समझ में आया कि इसे चुनौती के तौर पर लेना चाहिए। सैंड्रा ने कहा, मुझे जानवरों से काफी लगाव था। मैंने इसी लगाव को अपना बिजनेस बना लिया। कुछ दिनों सोचने के बाद 'कैट बटलर' बन गई। 'कैट बटलर' का काम पालतू बिल्लियों का पालना होता है। शुरुआत में कुछ काम मिला, लेकिन कुछ ही महीनों में काफी डिमांड आने लगी। इसके बाद 2015 में मैंने एक सेंटर खोल लिया। बाद में मुझे पता चला कि इस काम में मैं अकेली नहीं हूं। बहुत सारे लोग इसे कर रहे है। अच्छे तरीके से कर रहे है। प्रोफेशनल 'कैट बटलर' की कमाई काफी अच्छी खासी है। कई लोग परिवार के साथ छुट्टियां पर जाते हैं और जब अपनी कैट्स को साथ नहीं ले जा पाते, तो हमारे पास छोड़ जाते है। सैंड्रा ने कहा, शुरुआत में 300000 रुपये का इन्वेस्ट करना पड़ा। कई तरह का जोखिम भी था। लेकिन बाद में जब ग्राहकों की संख्या बढ़ी, तो अच्छी कमाई होने लगी। अभी लगभग 600,000 फॉलोअर्स है। इनमें से तमाम लोग हमारे यहां अपनी कैट्स छोड़कर जाते है। अब मैंने कई फ्रेंचाइजी खोल ली है। पशुचिकित्सक नेटवर्क भी बना लिया है। अब हर साल 2 करोड़ की कमाई की कमाई हो रही है। कई लोगों का परिवार भी इससे चल रहा है।

सोफा, शीशा, गद्दा और रजाई खा लेती है बच्ची, रात में तो चबाने लगती है फर्नीचर!

कौन चाहता है कि घर के बच्चे अच्छी-अच्छी चीजें नहीं खाएं-पिए। हर किसी की कोशिश होती है कि घर के बच्चों के सेहतमंद और स्वादिष्ट चीज़ें खिलाए। इसके लिए सब्जियां, फल और ऐसी ही स्वस्थ चीजें लाई और मंगाई जाती है। सोचिए, इतने के बाद अगर घर में मौजूद बच्चा खाना छोड़कर गद्दा-रजाई और दीवारों का प्लास्ट खाने लगे, तो कितना अजीब लगेगा। डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक 3 साल की एक बच्ची को अजीबोगरीब बीमारी है, वो घर में मौजूद किसी भी चीज़ को खा लेती है। ये सोफा, गद्दा, रजाई और शीशा भी हो सकता है। सुनने में ये आपको अनोखी चीज़ लग रही है लेकिन वाकई विंटर नाम की बच्ची कुछ भी खाने से खुद को रोक नहीं पाती, कई बार तो वो ऐसी खतरनाक चीजें तक खाने पहुंच जाती है, जो उसकी जान के लिए खतरा बन सकते है। स्टैसी एहेर्न नाम की 25 साल की महिला की दिक्कत ये है कि उसकी 3 साल की बेटी घर में मौजूद कोई भी चीज खा लेती है। विंटर नाम की बच्ची घर की दीवारों से प्लास्टर नोचकर खा लेती है, सोफा का फैब्रिक और उसके अंदर मौजूद स्पंज भी खा लेती है। इतना ही नहीं वो लकड़ी के फर्नीचर और कांच तक को खाने की कोशिश करने लगती है। अगर रात में उसकी आंख खुल जाए तो वो अपना कंबल या फिर पलंग भी चबाने लगती है। गनीमत इतनी है कि लड़की को कभी इस कोशिश में कोई गंभीर नुकसान नहीं हुआ है। दरअसल बच्ची का ये व्यवहार यूं ही नहीं है, उसे एक खास किस्म की बीमारी है। आप ऑटिज़्म के बारे में तो जानते होंगे, लेकिन इससे जुड़ा एक दुर्लभ ईटिंग डिसऑर्डर होता है, जिसे पिका रहते है। इस बीमारी से पीड़ित शख्स को ऐसी ही चीजें खाने की इच्छा होती है, तो खाने की नहीं है। यही वजह है कि बच्ची कुछ भी खाने के लिए तैयार हो जाती है। डॉक्टरों का कहना है कि वो इसमें ज्यादा कुछ नहीं कर सकते हैं, ऐसे में उसकी मां को हर वक्त उस पर नजर रखनी होती है।

पूरा देश चाहता है राहुल बने पीएम : संजय राउत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कांग्रेस के राहुल गांधी को बड़ा नेता बताया और दावा किया कि देश उन्हें अगला प्रधानमंत्री बनाना चाहता है। यह टिप्पणी विपक्षी दल इंडिया गुट द्वारा राहुल गांधी की अगुवाई वाली भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन के बाद मुंबई के शिवाजी पार्क में एक रैली में चुनावी बिगुल बजाने के एक दिन बाद आई है।

रैली को राहुल गांधी ने भी संबोधित किया। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने कहा, राहुल गांधी देश के एक प्रमुख नेता हैं। देश उन्हें अगले प्रधान मंत्री के रूप में देखता है। राहुल गांधी एक अच्छे इंसान और नेता हैं। लोग उन्हें पसंद करते हैं। हम सभी उनके साथ खड़े हैं। आगे शिवाजी पार्क रैली पर बोलते हुए राउत ने कहा कि विपक्ष अनदेखी ताकतों के खिलाफ लड़ रहा है। उन्होंने आगे कहा कि कल, हमने भारत गठबंधन के लिए एक रैली का आयोजन किया। हम अदृश्य ताकतों से लड़ रहे हैं। कांग्रेस की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी का जोरदार स्वागत किया गया। विपक्ष की उल्लेखनीय हस्तियों ने रैली की शोभा बढ़ाई, जिससे यह एक महत्वपूर्ण सभा बन गई। चुनाव की घोषणा के बाद यह रैली हमारे इंडिया गठबंधन की पहली सामूहिक सभा थी।

बोले- वह एक अच्छे इंसान और नेता

राहुल देश के धर्मनिरपेक्ष चरित्र को एकजुट करने की कोशिश कर रहे : फारूक

राहुल देश के धर्मनिरपेक्ष चरित्र और परंपरा को एकजुट करने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी मणिपुर से मुंबई तक 6,700 किलोमीटर से ज्यादा की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की। मुंबई में नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला सहित कई विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेता शामिल हुए। मीडिया से रूबरू होते हुए फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि राहुल गांधी पहले उत्तर से दक्षिण तक यात्रा की और बर्फबारी के दौरान कश्मीर पहुंचे। अब, वह पूर्व से यात्रा कर पश्चिम में पहुंचे हैं। वह देश के धर्मनिरपेक्ष चरित्र और परंपरा को एकजुट करने की कोशिश कर रहे हैं। राहुल गांधी ने 14 जनवरी को मणिपुर से न्याय यात्रा शुरू की थी। राहुल भारत के 15 राज्यों, 110 जिलों, 100 लोकसभा सीटों और 337 विधानसभा से होते हुए मुंबई पहुंचे। यात्रा के दौरान राहुल गांधी करीब 6700 किमी का सफर तय किया। हालांकि, इस बार उन्होंने बस और पैदल दोनों तरीके से यात्रा की है।

कर्नाटक को मदद नहीं देना चाहता है केंद्र : जयराम

प्रधानमंत्री मोदी आज कर्नाटक के शिवमोगा में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री आज कर्नाटक के शिवमोगा में हैं। हमें उम्मीद है कि वह अपने संबोधन में राज्य के कुछ प्रमुख मुद्दों को संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा, कर्नाटक के अधिकांश हिस्सों में गंभीर सूखे की स्थिति के कारण राज्य गंभीर जल संकट से जूझ रहा है। राज्य की 236 तालुकाओं में से 223 सूखे की स्थिति का सामना कर रही हैं। राज्य सरकार ने मोदी सरकार से सूखा राहत के लिए 18,172 करोड़ रुपये की धनराशि जारी करने का अनुरोध किया है। रमेश ने सवाल किया कि मोदी सरकार ने अब तक कर्नाटक के लोगों की मदद करने से इनकार क्यों किया है? उन्होंने यह भी कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर सूखे की मार को कम करने के लिए कर्नाटक सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत कार्य दिवसों की संख्या को 100 से बढ़ाकर 150 करने की मांग की है, लेकिन केंद्र सरकार ऐसा नहीं कर सकी। रमेश के अनुसार, केंद्र सरकार ने कर्नाटक में मनरेगा मजदूरी के भुगतान के लिए जरूरी 1600 करोड़ रुपये की राशि भी जारी नहीं की। उन्होंने सवाल किया कि मोदी सरकार कर्नाटक के मनरेगा मजदूरों को उनकी मजदूरी कब देगी? कांग्रेस महासचिव ने यह दावा भी किया कि 2023 में कांग्रेस के सत्ता संभालने के बाद से कर्नाटक सरकार की अन्न भाग्य योजना के माध्यम से गरीब परिवारों को अतिरिक्त पांच किलोग्राम चावल उपलब्ध कराने के प्रयासों को मोदी सरकार ने बाधित कर दिया है।

भाजपा भ्रष्टाचार में डूबी हुई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अतीत में एनसीपी को महाराष्ट्र में राष्ट्रीय भ्रष्ट पार्टी कहे जाने का उल्लेख करते हुए, राउत ने जोर देकर कहा कि भाजपा भ्रष्टाचार में डूबी हुई है, और अब राउत का मानना?है कि यह लेबल भाजपा पर लागू होता है। उन्होंने भाजपा पर खुद को भ्रष्ट लोगों के साथ मिलाने और अपने भीतर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि भाजपा नेता आत्ममंथन करें तो उन्हें भ्रष्टाचार का चेहरा आईने में नजर आएगा। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र की चुनावी बांड योजना को रद्द कर दिया था, जिसने गुमनाम राजनीतिक फंडिंग की अनुमति दी थी, इसे असंवैधानिक कहा था और चुनाव आयोग को दानदाताओं, उनके द्वारा दान की गई राशि और प्राप्तकर्ताओं का खुलासा करने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद, भारतीय स्टेट बैंक ने 12 मार्च को चुनाव आयोग के साथ डेटा साझा किया और चुनावी बांड पर डेटा सार्वजनिक किया।

युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ हो रहा : तेजस्वी

बीपीएससी पेपर लीक मामले में नीतीश सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राजद नेता व बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने पेपरलीक केस की बात को फिर से जोरदार तरीके उठाया है। उन्होंने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि बिहार सरकार यह बताए कि पेपरलीक कैसे हुआ। क्या कारण है कि भाजपा के आते ही पेपरलीक शुरू हो जाता है। कौन हैं यह लोग? जदयू और भाजपा को यह बताना चाहिए।

आखिर युवाओं के भविष्य के साथ कौन लोग खिलवाड़ कर रहे हैं? आखिर कब तक कार्रवाई होगी? किसकी गलती है? इतना मेहनत से हमलोगों ने पदा सृजन किया और हमलोगों ने नौकरियां दी। अब पेपरलीक हो रहा है। सुनने में आ रहा है कि स्वास्थ्य विभाग की वैकेंसी को यह लोग रद्द करने जा रहे हैं। मुंबई से लौटने के बाद पटना एयरपोर्ट पर पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने महागठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर कहा कि सभी दलों के बीच बातचीत हो रही है। दो-चार दिनों में सारी चीजें तय हो जाएंगे। सीट शेयरिंग की बात अंतिम चरण में है। एक-दो सीटों पर बातें चल रही है लेकिन दो-चार दिन में सब सुलझ जाएगा। जदयू के इलेक्टॉल बांड पर तेजस्वी यादव ने चुप्पी साध ली। कहा कि इसपर हमें कोई टीका-टिप्पणी नहीं करनी है।

अब पीएम को नहीं दिखता जंगलराज

तेजस्वी यादव ने कहा कि पटना में बिल्डर की हत्या कर दी गई। नालंदा में पत्रकार को गोली मार दी गई। अब भाजपा और जदयू के नेता लॉ एंड ऑर्डर क्यों नहीं कुछ बोल रहे हैं। अगर यह हमारे शासनकाल में होता तो क्या होता अब तक। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार आकर चिल्ला-चिल्लाकर कहते हैं कि राजद के लोग जंगलराज वाले हैं। अब क्राइम बढ़ रहा तो एनडीए सरकार क्यों नहीं कुछ बोल रही।

बीजेपी बताए उनके कार्यकर्ता देशभक्त या मोदी भक्त : उद्धव

मुंबई रैली में संबोधन में हिंदू के बजाय देशभक्त के उपयोग पर भाजपा पर बरसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

छत्रपति संभाजीनगर। शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे ने राहुल गांधी और अन्य नेताओं की उपस्थिति में मुंबई में विपक्षी गठबंधन इंडिया की रैली को संबोधित करते समय उनकी प्रारंभिक टिप्पणियों को लेकर उनकी आलोचना करने पर भाजपा पर निशाना साधा। मुंबई के शिवाजी पार्क में आयोजित रैली में ठाकरे ने वहां मौजूद लोगों को हिंदू भाइयों और बहनों के पारंपरिक संबोधन के बजाय मेरे देशभक्त और देशप्रेमी भाइयों और बहनों के रूप में संबोधित किया था।

शिवाजी पार्क का बाल ठाकरे के दिनों से ही शिवसेना की रैलियों से जुड़ाव रहा है। बाल ठाकरे अपने भाषण की शुरुआत मेरे हिंदू भाइयों और बहनों शब्द का इस्तेमाल करते थे। उद्धव ठाकरे ने हिंगोली जिले के वसमत में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, रैली में मेरे भाषण के शुरुआती वाक्य पर भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने मेरी आलोचना की। लेकिन मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि क्या वे देशभक्त नहीं हैं? ठाकरे ने कहा कि उन्होंने देशप्रेमी शब्द का इस्तेमाल इसलिए किया, क्योंकि विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव एलायंस (इंडिया) देश और लोकतंत्र को बचाना चाहता है। उन्होंने कहा, लेकिन कुछ भाजपा नेताओं ने यह आरोप लगाते हुए मेरी आलोचना की कि मेरी भाषा (हिंदुत्व पर रुख) बदल गई है। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि क्या आप देशभक्त नहीं है? आप मोदी भक्त है या देशभक्त? हम देशभक्त हैं, मोदीभक्त नहीं।

अपने गांवों में आने वाले रथों को रोंके

ठाकरे ने लोगो से उनके गांवो मे आने वाले रथो को रोकने की अपील की, जो स्पष्ट रूप से भाजपा के चुनाव प्रचार का संदर्भ था। उन्होने कहा, अगर प्रशासन कार्रवाई नही करता है, तो लोगो को कार्रवाई करनी चाहिए। ठाकरे ने हिंगोली के मौजूदा सांसद हेमंत पाटिल की भी आलोचना की, जिन्होने 2019 का लोकसभा चुनाव शिवसेना (अविभाजित) के उम्मीदवार के रूप मे जीता था, लेकिन हाल ही मे एकनाथ शिंदे खेमे मे शामिल हो गए। उन्होने कहा, इससे पहले, परभणी सीट से जीतने वाले शिवसेना सांसदो ने पार्टी छोड़ दी थी। लेकिन (संजय) जाधव (परभणी से मौजूदा सांसद) प्रलोभनो का विरोध किया। ठाकरे ने दो पार्टियो को तोड़ने वाले बयान को लेकर उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस पर भी कटाक्ष किया। उन्होने कहा, कुछ लोग राज्य मे दो पार्टियो को तोड़ने पर गर्व महसूस कर रहे है। उन्हे सेधमारी के लिए लाइसेस दिया जाना चाहिए।

विराट कोहली ने जमकर बहाया पसीना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नयी दिल्ली। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अपने बेटे अकाय के जन्म के बाद रविवार को भारत लौट आये और आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए अपनी फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के ट्रेनिंग शिविर में जुड़े। उन्होंने चिन्ना स्वामी स्टेडियम में प्रैक्टिस की।

ज्ञात हो कोहली ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला लेते हुए भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट श्रृंखला से हटने का फैसला किया था। बाद में बताया गया कि यह ब्रेक इसलिये लिया गया ताकि यह स्टार बल्लेबाज ब्रिटेन में अपने बेटे के जन्म के समय अपनी पत्नी के साथ रह सके। आईपीएल प्रसारक स्टार स्पोर्ट्स ने ट्वीट किया, ''विराट कोहली लौट आये हैं। 'रेड किंग' भारत में 22 मार्च को सीएसके के खिलाफ अपना आईपीएल अभियान शुरू करने के लिए तैयार हैं।'' इसमें लिखा था, ''किंग के लिए चीयर करने और 'किंगली बीट्स' पर थिरकने के लिए तैयार हो जाइये क्योंकि स्टार स्पोर्ट्स का नया एंथम 'कोहली कॉलिंग' सभी मंच पर रिलीज हो गया है। इस आईपीएल में कोहली के संबंध में सभी चीजों के लिए स्टार स्पोर्ट्स पर ट्यून करें। कोहली रविवार को मुंबई पहुंचे और उनके जल्द ही टीम के ट्रेनिंग शिविर से जुड़ने की उम्मीद है। आरसीबी अभी तक आईपीएल खिताब नहीं जीत पायी है। कोहली ने पिछले आईपीएल सत्र में 639 रन बनाये थे।

आरसीबी के ट्रेनिंग कैंप से जुड़े

सूर्यकुमार पर अब भी असमंजस

मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच मार्क बाउचर ने कहा कि उन्हें टीम के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव की फिटनेस की स्थिति को लेकर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से 'अपडेट' का इंतजार है। टी20 में दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज सूर्यकुमार अभी हर्निया के ऑपरेशन से उबर रहे हैं। वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के शुरुआती मैचों से बाहर रह सकते हैं। वहीं मार्क बाउचर ने कहा,'हमें सूर्यकुमार की फिटनेस को लेकर बीसीसीआई से अपडेट का इंतजार है। हम हमेशा फिटनेस संबंधी समस्याओं से जूझते रहे हैं लेकिन हमारे पास विश्वस्तरीय चिकित्सा दल है। हम फिटनेस मामलों के कारण एक या दो खिलाड़ियों को गंवा सकते हैं लेकिन हमें आगे बढ़ना होगा क्योंकि यह खेल का हिस्सा है। बाउचर ने इसके साथ ही कहा कि इस साल होने वाले टी-20 विश्वकप को ध्यान में रखते हुए उनकी खिलाड़ियों को विश्राम देने की कोई योजना नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हो लोकसभा चुनाव : डेरेक ओब्रायन

» बोले- भाजपा की गंदी चालें निर्वाचन आयोग जैसी संस्थाओं को नष्ट कर रहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा की गंदी चालें भारत निर्वाचन आयोग (ईआईसी) जैसी संस्थाओं को नष्ट कर रही हैं। क्या भाजपा लोगों का सामना करने से इतनी घबरा गई है कि वह विपक्ष को निशाना बनाने के लिए ईसीआई को पार्टी के कार्यालय में बदल रही है? तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के वरिष्ठ नेता डेरेक ओब्रायन ने मंगलवार को कहा कि पार्टी चाहती है कि लोकसभा चुनाव उच्चतम न्यायालय की निगरानी में हों क्योंकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की चालें निर्वाचन आयोग जैसी संस्थाओं को नष्ट कर रही हैं।

राज्यसभा में टीएमसी के नेता ने कहा कि क्या भाजपा लोगों का सामना करने से इतनी घबरा गई है कि वह निर्वाचन आयोग को अपनी पार्टी के कार्यालय में बदल रही है?

उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, भाजपा की गंदी चालें भारत निर्वाचन आयोग (ईआईसी) जैसी संस्थाओं को नष्ट कर रही हैं।

भाजपा लोगों का सामना करने से घबराई

क्या भाजपा लोगों का सामना करने से इतनी घबरा गई है कि वह विपक्ष को निशाना बनाने के लिए ईसीआई को पार्टी के कार्यालय में बदल रही है? निर्वाचित राज्य सरकारों के अधिकारियों के तबादले! स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए। हम उच्चतम न्यायालय की निगरानी में 2024 का चुनाव चाहते हैं। ईसीआई ने पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार को हटाने का निर्देश दिया है और इस पद पर विवेक सहाय को नियुक्त करने को कहा है जिन्हें आयोग ने एक बार निलंबित कर दिया था। टीएमसी ने भाजपा पर संवैधानिक संस्थाओं को नियंत्रित करने का आरोप लगाया है। आयोग के फैसले की वजह से सत्तारूढ़ टीएमसी और विपक्षी भाजपा के बीच राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गया है। भाजपा ने आयोग के फैसले का स्वागत किया है।

इंडिया गठबंधन की सरकार बनी तो चुनाव आयोग होगा स्वतंत्र : फारूक अब्दुल्ला

भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले केंद्र पर परोक्ष हमला करते हुए नेशनल कॉन्फ्रेंस प्रमुख और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि विपक्षी गुट-इंडिया की सरकार बनने के बाद चुनाव आयोग स्वतंत्र हो जाएगा। मुंबई में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में नेकां प्रमुख डॉ. फारूक अब्दुल्ला व पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती भी शामिल हुईं। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में बोलते हुए नेकां नेता ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन को चोर करार देते हुए लोगों से कागज की जांच करने और अपने वोट को सत्यापित करने के लिए भी कहा। उन्होंने कहा कि पहली भारत जोड़ो यात्रा कन्याकुमारी से शुरू हुई और कश्मीर में समाप्त हुई।

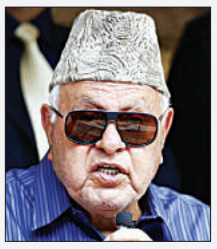

संजय सिंह ने दूसरी बार ली राज्यसभा सांसद की शपथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने मंगलवार को लगातार दूसरी बार उच्च सदन के सदस्यता की शपथ ली। संजय सिंह का दूसरी बार शपथ लेने पर अपनी प्रतिक्रिया में उनकी पत्नी अनीता सिंह ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने संजय सिंह के शपथ ग्रहण को लेकर कहा कि यह परिवार के लिए खुशी का मौका है।

हम लोग शपथ ग्रहण में शामिल होने के लिए जा रहे हैं। अनीता सिंह ने इससे आगे कहा, संजय सिंह निश्चित रूप से उन सभी जिम्मेदारियों को पूरा करेंगे जो दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल जी ने जो उन्हें सौंपी है, उसका निवर्हन करने में वो पूरी तरह से सफल होंगे। राज्यसभा के लिए दोबारा चुने जाने पर भावुक हुई संजय सिंह की पत्नी अनीता सिंह अपने पति के सरकारी आवास पर भारत माता की तस्वीर के सामने केंद्र सरकार पर तानाशाही का आरोप लगाया। उन्होंने आज व्रत भी खा है। अनीता सिंह ने कहा, मैं उन्हें दोबारा राज्यसभा के लिए मनोनीत करने के लिए अरविंद केजरीवाल का दिल से आभार व्यक्त करती हूं, उन्होंने एक अभिभावक के रूप में काम किया।

सुप्रीम कोर्ट से नहीं मिली मस्जिद कमेटी को राहत, खारिज की याचिका

» श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद पर हुई सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मधुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने मस्जिद कमेटी की याचिका को खारिज कर दिया है। दरअसल, मस्जिद कमेटी द्वारा इलाहाबाद हाई कोर्ट के एक आदेश को चुनौती देते हुए यह याचिका दायर की गई थी। इस याचिका में इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें उन्होंने विवाद से जुड़े 15 मामलों का मुकदमा एक साथ जोड़कर चलाने के लिए कहा था।

इलाहाबाद हाई कोर्ट का कहना था कि ये सभी मुकदमे एक ही तरह के हैं और इनमें एक ही जैसे सबूतों के आधार पर फैसला किया जाना है। इस वजह से कोर्ट का समय बचाने के लिए ये बेहतर होगा कि इन सभी मुकदमों पर एक साथ सुनवाई की जाए। शाही ईदगाह मस्जिद विवाद को लेकर मस्जिद कमेटी द्वारा इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर की गई याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई बंद कर दी है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट जाने की छूट दी है। बता दें कि मस्जिद कमेटी ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें हाई कोर्ट ने इस विवाद से जुड़े सभी 15 मामलों को जोड़कर साथ में सुनवाई का आदेश दिया था।

डरे हुए हैं बीजेपी के लोग : भूपेश

बोले- दिल्ली में बैठे लोग ले रहे हैं पैसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि वह उन पर हुए एफआईआर के लिए अग्रिम जमानत के लिए अपील नहीं करेंगे। इसके साथ ही कांग्रेस नेता के मंच पर ही छलके दर्द को लेकर कहा कि यह कांग्रेस पार्टी है, जहां कहने की छूट मिलती है। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज हो चुकी है। लगातार प्रत्याशियों का दौरा भी शुरू हो चुका है

। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि इतने डरे हुए लोग हैं कि चार तारीख को एफआईआर करते हैं। अपनी वेबसाइट में नहीं डालते दिल्ली के पत्रकार उसको छपते हैं कितने डरे हुए हैं कि आप यदि सही होते तो अपने वेबसाइट में डालना था, क्यों नहीं डाले। आजकल तो उद्योग चल रहा है ट्रांसफर उद्योग अभी-अभी बंद हुआ है। आचार संहिता लग गया, वसूली चल रही है एक बड़े होटल में कद्दावर मंत्री लोग बैठकर उसके कलेक्शन वाले बैठते हैं।

अब भी चल रहा महादेव ऐप सट्टा

उन्होंने कहा कि बिना कारण के एफआईआर कर दिए हैं, जो विवरण है उसमें मेरे नाम का उल्लेख नहीं है। सूची में मेरा नाम डाल दिया है। पूरे देश भर में हमने लुक आउट सर्कुलर जारी किया। हमने भारत सरकार को भी लिखा महादेव बंद होना चाहिए फिर भी आज महादेव ऐप सट्टा चल रहा है। डबल इंजन की सरकार में चल रहा है, यदि गलत है तो चल क्यों रहा है तो प्रोटेक्शन मनी कौन ले रहा है। दिल्ली में बैठे हुए लोग ले रहे हैं कि राज्य में बैठे हुए लोग ले रहे हैं। चल तो अभी भी रहा है बंद हो जाना चाहिए हुआ नहीं।

महाराष्ट्र : पुलिस मुठभेड़ में चार नक्सली ढेर

» तेलंगाना सीमा पार कर गढ़चिरौली में घुसपैठ कर रहे थे नक्सली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। पूर्वी महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में मंगलवार को पुलिस के साथ मुठभेड़ के दौरान कम से कम चार नक्सली मारे गए। महाराष्ट्र पुलिस के सी-60 कमांडो और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें कमांडो यूनिट ने चार नक्सलियों को मार गिराया। बलों ने चार विद्रोहियों के शव, एक एके-47 कार्बाइन, दो घरेलू निर्मित पिस्तौल और नक्सली साहित्य सहित हथियारों का जखीरा भी बरामद किया।

पुलिस ने बताया कि मृत नक्सलियों की पहचान वर्गीश, मगतू, दोनों अलग-अलग नक्सली समितियों के सचिव और प्लाटून सदस्य कुरसांग राजू और कुडिमेट्टा वेंकटेश के रूप में की गई है। मृत नक्सलियों पर 36 लाख रुपये का बड़ा इनाम था, जो नक्सली नेटवर्क के भीतर उनके महत्व का संकेत था। इसके अलावा, यह भी पता चला है कि नक्सली तेलंगाना सीमा पार कर गढ़चिरौली में घुसपैठ कर रहे थे, संभवत: आगामी लोकसभा चुनावों को बाधित करने की एक बड़ी योजना के तहत वह कुछ बड़ा प्लान कर रहे थे।

सर्च ऑपरेशन चलाया गया

जानकारी के मुताबिक, इलाके में अभी भी सर्च ऑपरेशन जारी है. गढ़चिरौली पुलिस की एक विशेष लड़ाकू इकाई सी-60 और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की त्वरित कार्रवाई टीम की कई टीमों को क्षेत्र में तलाशी के लिए भेजा गया था। अधिकारी ने कहा कि जब सी-60 यूनिट की एक टीम मंगलवार सुबह रेपनपल्ली के पास कोलामरका पहाड़ों में तलाशी ले रही थी, तब नक्सलियों ने उन पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिस पर सुरक्षाकर्मियों ने जवाबी कार्रवाई की।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।